विचार

प्यारे इंसान,
प्रकृति तेरे जीवन की माँ है। इसका सम्मान कर, पेड़ मत काट, बल्कि और लगाओ। विकास के नाम पर प्रकृति के नियमों से खिलवाड़ मत करो। यदि तू प्रकृति को बचाएगा, तभी प्रकृति तुझे बचाएगी।

सब की खबर
साप्ताहिक
जनगाथा टाइम्स

वर्ष : 05 ■ सोमवार 13 अक्तूबर से 19 अक्तूबर 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मोबाइल: 98140-07163 ■ email: jangathatimes@gmail.com ■ www.jangathatimes.com ■ PUNMUL/2017/75353

न्यूज विंडो

'ये सही नहीं', ट्रंप के 100% अतिरिक्त टैरिफ लगाने पर भड़का चीन, 'दोहरे मापदंड'का लगाया आरोप

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध के नए दौर की आशंका बढ़ गई है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद चीन ने अमेरिका पर ह्लदोहरे मापदंडह्व अपनाने का आरोप लगाया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ह्लअमेरिका का यह कदम ह्यदोहरे मापदंडह्ल का स्पष्ट उदाहरण है।ह्व उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से चीन के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचा है और इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक वार्ता का माहौल कमजोर हुआ है। वाणिज्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि हर मोड़ पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी देना चीन के साथ बातचीत का सही तरीका नहीं है।

सोनीपत में तेज रफ्तार कार रोड रोलर से टकराई, कांग्रेस नेता के बेटे समेत 4 की मौत

सोनीपत। जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार मध्यरात्रि भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। हादसा सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार सड़क निर्माण कार्य में लगे रोड रोलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। चारों युवक हरियाणा के रोहतक जिले के गांव घिलौड़ के रहने वाले थे। हादसे में जान गंवाने वालों में अंकित, लोकेश, दीपांकर और सोमबीर शामिल हैं। इनमें से एक, सोमबीर, रोहतक ग्रामीण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलवान रंगा का बेटा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के समय विजिबिलिटी कम थी और हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण रोड रोलर सड़क पर खड़ा था। तेज रफ्तार में आ रही कार सीधी जाकर रोड रोलर से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार से एक शव और तीन घायलों को निकाला। घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी और संभवतः चालक को आगे खड़े रोड रोलर का अंदाजा नहीं लग पाया।

सावधान: पंजाब में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के बाद अब 8 दवाओं पर लगी रोक

चंडीगढ़

पंजाब में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के बाद अब आठ दवाओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय ने यह आदेश जारी करते हुए कहा है कि इन दवाओं की निर्माण बैच संख्या को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है और अब इनका उपयोग, बिक्री या वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। राज्य सरकार ने यह कदम मरीजों में दवाएं देने के बाद हुए एडवर्स रिएक्शन की शिकायतों के आधार पर उठाया है। इन दवाओं का निर्माण प्रदेश की तीन दवा निर्माण कंपनियों द्वारा किया जा रहा था।

खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को सख्त निर्देश

सरकार ने सभी दवा विक्रेताओं, वितरकों, पंजीकृत चिकित्सकों, अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं कि वे इन दवाओं की खरीद, बिक्री या उपयोग तुरंत बंद करें। यदि राज्य में इन दवाओं का कोई स्टॉक पाया गया, तो उसकी सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन को देने के आदेश दिए गए हैं।

जिन दवाओं पर लगी रोक और उनका सामान्य उपयोग

नॉर्मल सलाइन 0.9%
शरीर में पानी और लवण की कमी पूरी करने के लिए दी जाने वाली यह दवा अब प्रतिबंधित है।

डेक्सट्रोज इंजेक्शन 5%
नसों के माध्यम से दी जाने वाली यह दवा शरीर को पानी और ऊर्जा (शुगर) प्रदान करती है।

सिप्रोफ्लॉक्सासिन 200
एक एंटीबायोटिक दवा जो गले, नाक, त्वचा, और फेफड़ों के संक्रमण में दी जाती है।

DNS (डेक्सट्रोज + नॉर्मल सलाइन)
हाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन के लिए दी जाने वाली क्ष फ्लूड।

एन-2 डेक्सट्रोज 5% क्ष फ्लूड
ऑपरेशन या चोट के बाद शरीर को तरल और ऊर्जा देने के लिए प्रयोग की जाती है।

बुपीवाकेन एचसीएल विद डेक्सट्रोज इंजेक्शन
दर्द निवारण और शरीर को ऊर्जा देने वाली दवा, जिसे अब अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया है।

तीन फार्मा कंपनियां जांच के घेरे में

स्वास्थ्य विभाग ने जिन बैचों की शिकायतें प्राप्त की हैं, वे प्रदेश की तीन दवा कंपनियों से जुड़ी हुई हैं। इन कंपनियों के उत्पादन संयंत्रों से नमूने लेकर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने तक इन उत्पादों पर रोक जारी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग की अपील

विभाग ने जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास ये दवाएं मौजूद हैं तो उनका उपयोग न करें और नजदीकी मेडिकल स्टोर या प्रशासनिक अधिकारी को इसकी जानकारी दें। सरकार का कहना है कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प. बंगाल में एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप केस में 3 अरेस्ट, पुलिस ने मोबाइल नेटवर्क ट्रैक कर दबोचे आरोपी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन 2 आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने इन आरोपियों को मोबाइल नेटवर्क के जरिए गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। असनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के न्यू टाउनशिप पुलिस स्टेशन ने पीड़िता के परिवार की शिकायत पर गैंगरेप का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि रातभर घटनास्थल के पास जंगल में सर्च

ऑपरेशन चलाया गया था। मोबाइल नेटवर्क को ट्रैक कर के 3 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिनका कनेक्शन इस मामले से जुड़ा हुआ है। इनमें से एक सहपाठी भी शामिल है, जिस पर पीड़िता के पिता ने शक जताया था। पुलिस ने एक विशेष जांच टीम गठित की है और दोस्त समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। दो आरोपी अभी-भी फरार हैं और उनकी तलाश में छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है और फॉरेंसिक जांच के लिए सैंपल भेजे गए हैं। ओडिशा के जलेस्वर की रहने वाली 23 वर्षीय एमबीबीएस छात्रा शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे अपने एक पुरुष सहपाठी के साथ कॉलेज कैंपस से बाहर निकली थी। कैंपस गेट के पास कुछ व्यक्तियों ने कथित तौर पर पीछा करना शुरू किया और और अश्लील टिप्पणियां कीं। इसके बाद जबरन अस्पताल परिसर के पीछे एक सुनसान जगह पर खींच ले गए, जहां उसके साथ गैंगरेप किया। घटना की सूचना मिलते ही न्यू टाउनशिप पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पीड़िता को तुरंत मेडिकल जांच और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह अभी डॉक्टरों निगरानी में है।

संतान सुरक्षा के लिए माताएं क्यों पहनती हैं स्याहु माता की माला?

हर साल कार्तिक मास की अष्टमी तिथि को महिलाएं संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए अहोई अष्टमी का व्रत रखती हैं। यह व्रत करवा चौथ की तरह ही पूरे दिन निर्जला यानी बिना पानी पिए किया जाता है। इस दिन न सिर्फ माताएं, बल्कि वे महिलाएं भी व्रत रखती हैं जो संतान की प्राप्ति की कामना करती हैं।

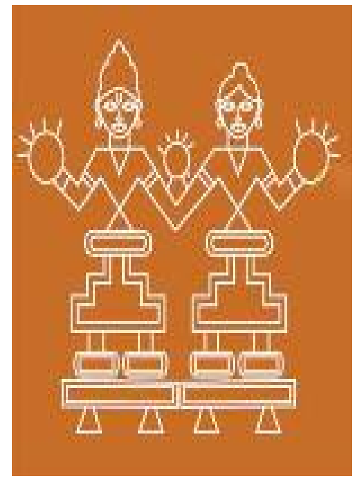

इस साल अहोई अष्टमी 13 अक्तूबर 2025 को पड़ रही है। व्रती महिलाएं दिनभर उपवास रखती हैं और शाम को तारों को अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। इस दिन स्याहु माला पहनने की परंपरा भी है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस माला का महत्व क्या है और इसे क्यों पहना जाता है? अगर नहीं जानते, तो चलिए इसका महत्व समझते हैं।

स्याहु माला क्या होती है?

अहोई अष्टमी के व्रत में स्याहु माला का खास महत्व होता है। यह माला आमतौर पर चांदी की बनी होती है, जिसमें चांदी की छोटी-छोटी मोतियों को एक लॉकेट के साथ कलावे (लाल धागे) में पिरोया जाता है। जो महिलाएं संतान की लंबी उम्र की कामना से अहोई व्रत रखती हैं, वे इस माला को विशेष रूप से धारण करती हैं। पूजा के समय इस माला की रोली, अक्षत और दूध-भात से पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस माला को दिवाली तक पहनना शुभ होता है और इससे संतान की उम्र लंबी व जीवन सुखमय बना रहता है। अहोई पूजन में इस माला को पहनने से पहले महिलाएं विधिपूर्वक इसकी पूजा करती हैं, जिससे इसका पूर्ण फल प्राप्त हो सके। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और इसे श्रद्धा के साथ निभाया जाता है।

अहोई अष्टमी 2025 कब है?

द्रिक पंचांग के अनुसार, अहोई अष्टमी का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से वे महिलाएं करती हैं जो संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। इस साल अष्टमी तिथि 13 अक्तूबर 2025 को दोपहर 12-24 बजे शुरू होकर 14 अक्तूबर की सुबह 11-09 बजे तक रहेगी। उदयकाल की तिथि को मान्यता दी जाती है, इसलिए इस बार अहोई अष्टमी का व्रत सोमवार, 13 अक्तूबर 2025 को रखा जाएगा।

स्याहु माता की पूजा विधि

- अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं (बिना जल व अन्न के)।
- पूजा के लिए घर के मंदिर में या दीवार पर अहोई माता की तस्वीर लगाएं।
- एक मिट्टी का घड़ा (या कलश) लेकर उसमें पानी भरें और तस्वीर के पास रखें।
- स्याहु माला को अहोई माता की तस्वीर पर अर्पित करें।
- पूजा के समय संतान को पास बिठाना शुभ माना जाता है।
- सबसे पहले अहोई माता को तिलक लगाएं, फिर स्याहु माला के लॉकेट पर तिलक करें।
- इसके बाद वह माला गले में धारण करें।
- पूरे दिन व्रत रखने के बाद शाम को तारों को अर्घ्य दें और फिर व्रत का पारण करें।
- स्याहु माला को दिवाली तक पहन कर रखें, फिर उसे संभाल कर रख लें।
- घड़े में रखा जल दिवाली के दिन संतान को स्नान कराने के लिए प्रयोग करें।
- मान्यता है कि यह पूजा संतान को लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देती है।

रमा एकादशी के दिन घर के इन प्रमुख स्थानों में जलाएं दीपक, धन से भरी रहेगी तिजोरी

रमा एकादशी का पर्व कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि, यानी 17 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। दीवाली से ठीक पहले पड़ने के कारण इसका महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य की कमी कभी नहीं होती।

वहीं, इस दिन को लेकर कई सारे उपाय बताए गए हैं, तो आइए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं -

तुलसी के पास

तुलसी को मां लक्ष्मी का ही स्वरूप माना जाता है। ऐसे में एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के पास घी का एक दीपक जरूर जलाएं।

दीपक जलाने के बाद तुलसी चालीसा का पाठ करें और तुलसी की सात बार परिक्रमा करें। ऐसा करने से घर में धन और समृद्धि बनी रहेगी और पारिवारिक क्लेश समाप्त होगा।

मंदिर

एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने घी का अखंड दीपक जलाएं, जो पूरी रात जलता रहे।

ऐसा करने से जीवन में सकारात्मकता आती है। साथ ही धन लाभ के मार्ग खुलते हैं।

घर की उत्तर दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा को कुबेर का स्थान और धन की दिशा माना गया है।

ऐसे में इस स्थान में दीपक जलाने से आर्थिक तंगी दूर होती है। इसके साथ ही धन के आगमन के रास्ते खुलते हैं और तिजोरी हमेशा भरी रहती है।

पीपल के पेड़ के नीचे

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। अगर आपके घर के आस-पास पीपल का पेड़ है, तो एकादशी की शाम को उसके नीचे सरसों के तेल का एक दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और आर्थिक संकट से मुक्ति मिलती है।

रसोई घर

रसोई घर को मां अन्नपूर्णा का निवास स्थान माना जाता है, जो अन्न और धन की अधिष्ठात्री देवी हैं। ऐसे में रमा एकादशी के दिन रसोई घर में एक छोटा दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से घर में कभी भी अन्न और धन की कमी नहीं होती है और परिवार में संपन्नता बनी रहती है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक, राजेंद्र कुमार के द्वारा न्यू दशमेश प्रिंटसर्ज 178-179, रंजीत नगर, जालंधर, पंजा से छपवाकर जनगाथा कार्यालय शंकर नगर नजदीर रेलवे स्टेशन होशियारपुर से प्रकाशित किया। सम्पादक राजेंद्र कुमार

अखबार में खाना लपेटने से बढ़ता है कैंसर

अखबार पर छपाई के लिए जिस स्याही का इस्तेमाल किया जाता है, उसमें डाई, एल्कॉहल, पिगमेन्ट्स, प्रीजरवेटिव, आइसोब्यूटाइल फटालेट, डाइएन आईसोब्यूटाइलेट, ग्रेफाइट आदि तत्व होते हैं।

अकसर मार्केट में समोसा, पकौड़ा और जलेबी जैसी खाने की चीजों को अखबार में लपेटकर दिया जाता है। इसके अलावा बहुत से लोग खाना लपेटने के लिए अखबार का इस्तेमाल करते हैं। यही नहीं कुछ लोग तली हुई चीजों से अतिरिक्त तेल निकालने के लिए अखबार का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ऐसे करते वक्त लोग अनजाने में अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे होते हैं।

दरअसल, अखबार में लपेटा गया सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। इससे कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा पेट संबंधी समस्या, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी की बीमारी भी होने का खतरा होता है। बच्चों और बुजुर्गों में इसके खतरनाक प्रभाव की संभावना अधिक होती है, क्योंकि उनकी बीमारियों से लड़ने की ताकत कम होती है। आइए जानते हैं अखबार में खाना लपेटने के नुकसान, कारण और सावधानियां।

अखबार में खाना लपेटने से होने वाले नुकसान का कारण- दरअसल अखबार पर छपाई के लिए जिस स्याही का इस्तेमाल किया जाता है, उसमें डाई, एल्कॉहल, पिगमेन्ट्स, प्रीजरवेटिव, आइसोब्यूटाइल फटालेट, डाइएन आईसोब्यूटाइलेट, ग्रेफाइट आदि तत्व होते हैं। ये इतने खतरनाक तत्व हैं कि इनकी बहुत छोटी मात्रा भी आपके शरीर में कैंसर जैसे घातक रोग पैदा कर सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाल ही में एक एडवाइजरी जारी कर अखबार में लपेटे गए खाद्य पदार्थों के सेवन को सेहत के लिए खतरनाक बताया है।

इन बीमारियों का बढ़ता है खतरा

पाचन क्रिया की समस्या : अखबार में लपेटा गया खाना पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है। अखबार की छपाई में इस्तेमाल की जानेवाली स्याही में मौजूद केमिकल की वजह से पाचन से संबंधित समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

हार्मोन्स संबंधी परेशानियां

अखबार की स्याही में ऐसे नुकसानदायक केमिकल्स होते हैं जो आपके हार्मोन्स को प्रभावित करते हैं। अगर शरीर में हार्मोन्स असंतुलित हो जाता है तो इससे कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है।

मूत्राशय और फेफड़ों का कैंसर

इसकी की स्याही को सूखाने के लिए जो केमिकल इस्तेमाल किया जाता है वह ऑइली खाने में चिपक जाता है और खाने के जरिए पेट में पहुंच जाता है। इससे मूत्राशय और फेफड़ों के कैंसर की समस्या के होने का खतरा बढ़ जाता है।

सावधानियां

- बाजार से खाने की चीजें लेते समय ध्यान रखें की वह अखबार में लिपटा हुआ न हो, ऐसी चीजों को खरीदने से बचें।
- घरों में भी खाना अखबार में लपेटकर न रखें।
- खबार की जगह एल्युमिनियम फाइल या सफेद कागज का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऑयली खाने को अखबार में लपेटने से बचें।

सिर्फ खाना ही नहीं

इन कारणों से भी बढ़ता है मोटापा

कई बार जब हम वजन कम करने की सोचते हैं और वजन घटने की बजाय बढ़ने लगता है। हमें लगता है कि ऐसा हमारे आहार के कारण हो रहा है हालांकि इसके कई अन्य कारण भी हैं।

हम में से बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपना वजन बढ़ने को लेकर परेशान हैं। इसके कारण वो वजन कम करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन उसके बाद भी कभी-कभी वजन नहीं होता। वजन बढ़ने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे मोटापा, डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति में हम अपना खाना कम कर देते हैं. डाइटिंग करते हैं लेकिन आपको बता दें कि केवल आपका खान-पान वजन बढ़ने के लिए जि मेदार नहीं होता है। अचानक और ना चाहते हुए भी वजन बढ़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं जिनमें आपका भोजन शामिल नहीं है।

नींद की कमी

नींद पूरी ना होने की वजह से आप कई समस्याओं के शिकार हो सकते हैं। आजकल लोग घंटों फोन के साथ बिता देते हैं या टीवी देखते रहते हैं जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती है और आपको पूरे दिन थकावट महसूस होती है। यह भी वजन बढ़ने का एक कारण होता है।

हार्मोनल बदलाव

हमारे शरीर में हार्मोन्स कई फंक्शन्स के लिए जि मेदार होते हैं। ऐसे में आपके शरीर में हार्मोनल बदलाव होने के कारण आपका वजन प्रभावित होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स असंतुलित रहते हैं तो आपका वजन बढ़ सकता है।

रक्त का सही तरीके से संचार ना होना

शरीर में सही तरीके से ब्लड सर्कुलेशन ना होने की वजह से भी वजन बढ़ जाता है। पैरों की नसों में मौजूद वाल्व ब्लड के लो को हृदय की तरफ बढ़ाते हैं जिसकी वजह से ब्लड सर्कुलेशन खराब हो जाता है और वजन बढ़ने लगता है।

मेडिकेशन

अगर आप दवाईयों का सेवन कर रहे हैं तो कुछ तरह की दवाईयों के सेवन से वजन बढ़ने लगता है। अगर आपका दवाईयों के सेवन के कारण वजन बढ़ रहा है तो डॉक्टर से बात करें।

मेनोपॉज

बहुत सारी महिलाओं को मेनोपॉज के दौरान पेट की चर्बी बढ़ने की परेशानी होती है क्योंकि इस अवस्था के दौरान एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। ऐसे में फैट पेट के चारों और जमा होना शुरु हो जाता है और पेट पर अतिरिक्त चर्बी जमा हो जाती है।

वायु प्रदूषण से बढ़ सकता है गर्भपात का खतरा

वायु प्रदूषण से सिर्फ सांस से जुड़ी बीमारियां ही नहीं होतीं बल्कि गर्भवती महिलाओं में गर्भपात का भी खतरा रहता है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह नई बात सामने आई है जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए चिंता का सबब हो सकती है।

वायु प्रदूषण के संपर्क में थोड़ी देर के लिए भी आने से गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह चिंतित करने वाली बात सामने आई है। वायु प्रदूषण को दमा से लेकर समयपूर्व प्रसव तक, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले तमाम बुरे प्रभावों से जोड़ कर देखा जाता है।

3-7 दिनों के बीच गर्भपात के खतरे की जांच : अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने हवा में तीन साधारण प्रदूषक तत्वों- अतिसूक्ष्म कण पीएम 2.5, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओजोन की मात्रा बढ़ जाने के बाद 3-7 दिन की अवधि के दौरान गर्भपात के खतरे को जांचा। इस टीम ने पाया कि नाइट्रोजन ऑक्साइड के बढ़े स्तर के संपर्क में आने वाली महिलाओं को गर्भपात होने का खतरा 16 प्रतिशत तक बढ़ गया। यह अध्ययन फर्टिलिटी एंड स्टर्लिटी पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

प्रदूषण के संपर्क में आने पर गर्भपात का खतरा 16%

अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि यूटा राज्य की सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र में रहने वाली महिलाएं जब वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने के बाद उसके संपर्क में आईं तो उनमें गर्भपात होने का खतरा 16 प्रतिशत बढ़ गया। 2007 से 2015 के बीच किए गए इस अध्ययन में 1300 महिलाएं शामिल थीं जिन्होंने गर्भपात के बाद (20 ह ते की गर्भावस्था तक) चिकित्सीय मदद के लिए आपातकालीन विभाग का रुख किया था।

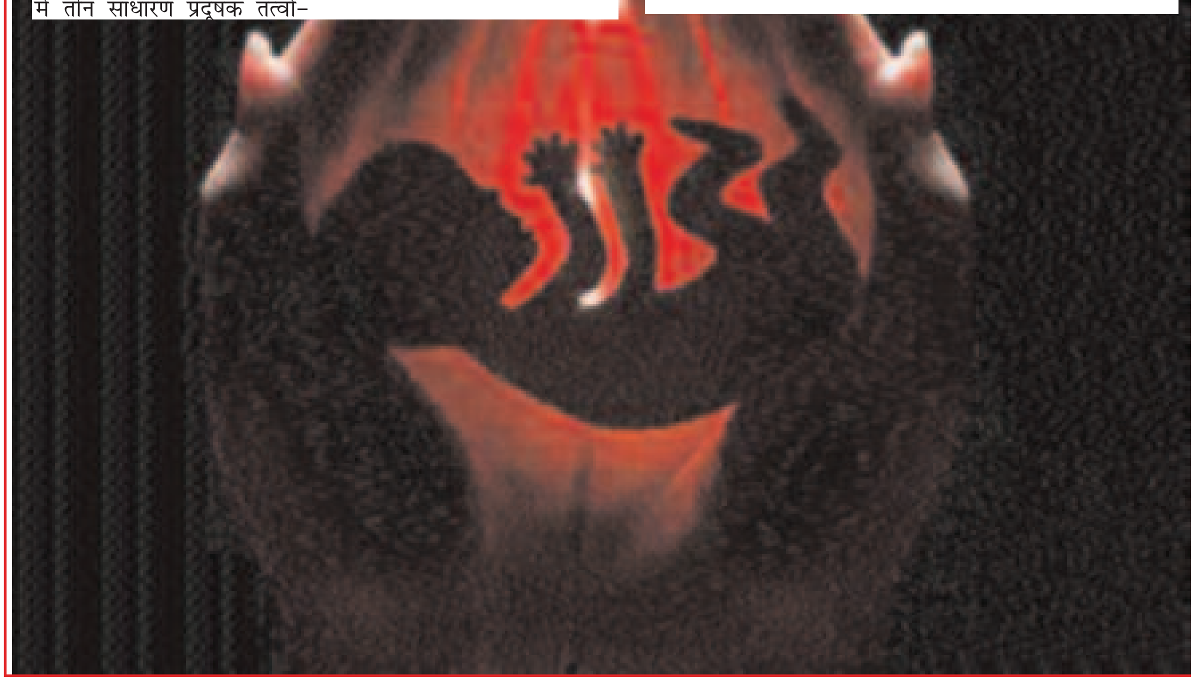

खिलाड़ियों में शोक की लहर: क्रिकेट के मैदान में एक और क्रिकेटर की मौत, जीत की खुशी में आया हार्ट अटैक

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के बिलारी में रविवार को खेल प्रेमियों को झकझोर देने वाली घटना हुई। क्रिकेट मैदान पर चल रहे वेटरन मैच के दौरान 50 वर्षीय सीनियर क्रिकेटर अहमर खां की गेंदबाजी करते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। अहमर खां मुरादाबाद की एकता विहार कॉलोनी के रहने वाले थे और लंबे समय से स्थानीय व राज्य स्तरीय क्रिकेट से जुड़े हुए थे। आखिरी ओवर में दिलाई टीम को जीत, फिर मैदान पर गिरे

मैच के अंतिम ओवर में विरोधी टीम को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। अहमर खां ने अपनी शानदार गेंदबाजी से केवल 5 रन देकर टीम को 13 रन से जीत दिलाई। खिलाड़ी और दर्शक जीत का जश्न मना ही रहे थे कि तभी अहमर अचानक मैदान पर गिर पड़े। साथी खिलाड़ियों डॉ. अंकित वर्मा और डॉ. फरहान खान ने तुरंत उन्हें सीपीआर देकर बचाने की

कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। उन्हें पहले निजी अस्पताल, फिर सीएचसी बिलारी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीयूष चावला जैसे नामी खिलाड़ियों के साथ खेल चुके थे अहमर

अहमर खां अपने समय के राज्य स्तरीय सीनियर खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के सुहानी क्लब और उत्तर प्रदेश की कई टीमों से लंबे समय तक क्रिकेट खेला। वे कई मौकों पर भारतीय स्पिनर पीयूष चावला के साथ भी मैदान साझा कर चुके थे। उनके निधन की खबर से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

दवा कंपनी में करते थे नौकरी

अहमर खां एक दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) के पद पर कार्यरत थे। वे करीब 10 वर्षों से नियमित रूप से क्रिकेट खेल रहे थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही मैदान और अस्पताल में भीड़ उमड़ पड़ी। सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान, एसडीएम विनय कुमार सिंह और स्थानीय खेल प्रेमी अस्पताल पहुंचे। अहमर अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं।

कैलिफोर्निया में पेड़ से टकराकर हेलीकॉप्टर क्रैश

लॉस एंजेलिस

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक कार और हेलीकॉप्टर शो के दौरान एक भीषण हादसा हो गया। स्थानीय समयानुसार, शनिवार दोपहर को हंटिंग्टन स्ट्रीट के पास एक हेलीकॉप्टर अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए हैं। इस खौफनाक हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसे देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं। हादसे का जो वीडियो सामने आया है, उसमें साफ दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर बेहद नीचे उड़ान भर रहा था। इसी दौरान उसके पंख ताड़ के ऊंचे पेड़ों की पत्तियों से टकरा गए, जिसके बाद हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने नियंत्रण खो दिया और हेलीकॉप्टर अचानक ऊपर उठने के बाद अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के वक्त हेलीकॉप्टर में दो लोग सवार

थे, जिन्हें मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा, जमीन पर मौजूद तीन अन्य लोग हेलीकॉप्टर की चपेट में आने से घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हेलीकॉप्टर विमानन क्षेत्र के दिग्गज एरिक निक्सन का था। यह एक 1980 बेल 222 मॉडल (टेल नंबर ठ222ए) था, जिसमें दस लोगों के बैठने की क्षमता है। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने कुल 1900 घंटे से भी कम उड़ान भरी थी और यह आधुनिक नेविगेशन सिस्टम से लैस था। हादसे के तुरंत बाद जांच अधिकारी मौके पर पहुंच गए और इलाके की घेराबंदी कर दी गई। एहतियात के तौर पर पैसिफिक कोस्ट हाइवे को भी बंद कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब यह हादसा हुआ तो उन्हें लगा कि यह किसी फिल्म की शूटिंग का हिस्सा है। यह हेलीकॉप्टर समुद्र तट पर आयोजित ह्वाकर्स एंड कॉप्टर्सह्व नामक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा था। फिलहाल, अधिकारी हादसे के सही कारणों का पता लगाने में जुटे हुए हैं।

जापान में फैली बीमारी से 4000 से अधिक लोग अस्पतालों में भर्ती, सरकार ने घोषित की 'महामारी'

नई दिल्ली

जापान इस समय तेजी से फैल रहे फ्लू संक्रमण की चपेट में है। हालत इतनी बिगड़ गए है कि सरकार को ह्वदेशव्यापी फ्लू महामारीह्व घोषित करनी पड़ी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार देशभर के करीब 4,000 से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। टोक्यो, ओकिनावा और कागोशिमा क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। तेजी से फैलते संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने 130 से अधिक स्कूल, किंडरगार्टन और डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार फ्लू का सीजन सामान्य समय से पांच सप्ताह पहले शुरू हो गया है, जिससे जापान की स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।

संक्रमण के मामले रिकॉर्ड स्तर पर

22 से 28 सितंबर के बीच 4,000 से अधिक मरीजों का इन्फ्लूएंजा इलाज हुआ था, जबकि 29 सितंबर से 5 अक्तूबर के बीच यह आंकड़ा 6,000 पार कर गया। जापान के 47

में से 28 प्रांतों में मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञ इसे एशियाई देशों के लिए भी एक गंभीर स्वास्थ्य चेतावनी मान रहे हैं। होक्काइडो हेल्थ साइंस यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर योको त्सुकामोटो के अनुसार, ह्वइस साल फ्लू का मौसम बहुत जल्दी शुरू हुआ है। बदलते वैश्विक वातावरण के कारण यह प्रवृत्ति आगे सामान्य हो सकती है।

फिर लौटे कोविड जैसे हालात

अस्पतालों में फिर कोविड-19 जैसी स्थिति बन गई है – बेड की कमी, बढ़ते केस, और बढ़ता डर। ट्रैवल एनालिस्ट एशले हार्वे ने सलाह दी है कि जापान जाने वाले यात्रियों को फिलहाल यात्रा टालनी चाहिए, और यदि आवश्यक हो तो मास्क पहनना व हाथों की स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है। एशिया के अन्य देशों में भी फ्लू का असर बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि जापान की स्थिति से सबक लेकर एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है।

टीकाकरण है सबसे बड़ा बचाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि महामारी की यह स्थिति कई कारकों के कारण आई है – जिनमें कोविड के बाद बढ़ा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और वायरस का रूपांतरण शामिल है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बच्चे, बुजुर्ग और गंभीर रोगी फ्लू वैक्सीन जरूर लगवाएं, ताकि संक्रमण के इस तेज प्रकोप से बड़े पैमाने पर जनसंख्या को सुरक्षित रखा जा सके।

आजम खान को मिली वाई श्रेणी की सुरक्षा, जमानत के बाद पुलिस प्रशासन का बड़ा फैसला

रामपुर

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। लंबे समय तक कानूनी उलझनों और जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए आजम खान की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उनके घर पर लगातार मिलने वालों की भीड़ को देखते हुए यह फैसला किया गया है। आजम खान को पहले भी वाई श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी, लेकिन कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द होने के साथ ही सुरक्षा भी वापस ले ली गई थी। इसके बाद उनकी सुरक्षा को कुछ समय के लिए बहाल किया गया था, लेकिन सीतापुर जेल में बंद होने के दौरान उनकी सुरक्षा फिर से हटा दी गई थी। अब 23 महीने जेल में बिताने के बाद आजम खान जमानत पर रिहा हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने

उनकी सुरक्षा को फिर से बहाल करने का फैसला किया है। पुलिस प्रशासन के अनुसार आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत गार्ड और गनर तैनात किए गए हैं। जेल से रिहा होने के दिन पुलिस प्रशासन ने उनकी सुरक्षा के लिए जवानों को भेजा था, लेकिन उस समय आजम खान ने सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया था। उन्होंने पुलिस लाइन से आए गार्ड और गनर को वापस भेज दिया था। हालांकि, अब प्रशासन ने फिर से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। आजम खान के जेल से रिहा होने के बाद उनके रामपुर स्थित आवास पर समर्थकों और शुभचिंतकों का तांता लगा हुआ है। लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का निर्णय लिया। यह कदम न केवल उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, बल्कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी जरूरी माना जा रहा है। सपा नेता आजम खान लंबे समय से उत्तर प्रदेश की सियासत में एक प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। उनकी रिहाई और सुरक्षा बहाली को लेकर सियासी गलियारों में भी चर्चाओं का बाजार गर्म है।

दिल्ली-काबुल उड़ानें होंगी शुरू, व्यापार के लिए बनेगी कमेटी; अफगान विदेश मंत्री ने भारत से मांगा अटारी-वाघा बॉर्डर खोलने का रास्ता

नई दिल्ली

अपने सात दिवसीय भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने रविवार को दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई बड़ी घोषणाएं कीं और महिलाओं की शिक्षा, पाकिस्तान और अमेरिका को लेकर तालिबान सरकार का रुख स्पष्ट किया। इस बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। विदेश मंत्री मुत्ताकी ने बताया कि भारतीय विदेश मंत्री के साथ उनकी मुलाकात बेहद सकारात्मक रही। दोनों देशों के बीच अफगानिस्तान में रुके हुए विकास कार्यों को फिर से शुरू करने और अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने पर सहमति बनी है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली और काबुल के बीच सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी। मुत्ताकी ने कहा, ह्लभारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के

लिए एक संयुक्त कमेटी का गठन किया जाएगा। हमने व्यापारियों और छात्रों के लिए वीजा सुविधा बढ़ाने पर भी बात की है।ह्व उन्होंने भारत को कृषि समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया और व्यापार के लिए अटारी-वाघा बॉर्डर को खोलने का अनुरोध किया। साथ ही, भारत में हिरासत में लिए गए अफगान नागरिकों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया, जिस पर भारतीय विदेश मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध को लेकर पूछे गए एक अहम सवाल पर विदेश मंत्री ने सफाई देते हुए कहा, ह्लअफगानिस्तान में इस समय 1 करोड़ छात्राएं पढ़ रही हैं, जिनमें 28 लाख महिलाएं और लड़कियां हैं। हमने शिक्षा को धार्मिक रूप से ह्यहरामह्व घोषित नहीं किया है, लेकिन कुछ सीमाओं के चलते इसे दूसरे आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।ह्व पाकिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष पर उन्होंने कहा, ह्लपाकिस्तान की अवाम और हुकूमत में कई लोग अमन पसंद हैं, लेकिन कुछ लोग अमन नहीं चाहते। हम अपनी सीमाओं को महफूज रखना जानते हैं। अगर देश पर कोई बात आती है तो पूरी अफगान कौम और सरकार एक हो जाती है।ह्व उन्होंने अमेरिका और नाटो के साथ 20 साल के संघर्ष को आजादी की लड़ाई बताते हुए कहा कि अब अफगानिस्तान आजाद है और पिछले चार वर्षों से देश में अमन कायम है। पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत पर दुख जताते हुए उन्होंने कहा कि 40 साल के युद्ध में कई जानें गईं, लेकिन पिछले चार सालों में किसी पत्रकार के साथ ऐसी घटना नहीं हुई है और भविष्य में भी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि अफगानिस्तान में इस्लामी हुकूमत के तहत सभी के अधिकार सुरक्षित हैं और किसी पर कोई पाबंदी नहीं है।

पी. चिदंबरम का 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' पर बड़ा बयान, बोले- इंदिरा गांधी से हुई थी बड़ी गलती, जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

कसौली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने 1984 के ह्यऑपरेशन ब्लू स्टारह्व को एक ह्लबड़ी गलतीह्व करार दिया है, जिसकी कीमत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होंने यह बयान हिमाचल प्रदेश के कसौली में चल रहे प्रतिष्ठित खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान एक सत्र को संबोधित करते हुए दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, मेरा मानना है कि स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को निकालने और पकड़ने का कोई और तरीका खोजा जा सकता था। ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलत तरीका था। मुझे लगता है कि श्रीमती (इंदिरा) गांधी को उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। हालांकि, उन्होंने इस फैसले के लिए अकेले इंदिरा गांधी को जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया। चिदंबरम ने स्पष्ट किया,

लेकिन वह गलती सेना, पुलिस, खुफिया विभाग और सिविल सेवा का एक मिला-जुला फैसला था। आप इसके लिए केवल श्रीमती गांधी को ही दोष नहीं दे सकते। पूर्व गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि स्वर्ण मंदिर पर फिर से कब्जा प्राप्त करने के लिए सेना को इस कार्रवाई से बाहर रखा जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ह्लइसमें किसी भी सैन्य अधिकारी के प्रति कोई अनादर नहीं है, लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार स्वर्ण मंदिर पर फिर से कब्जा पाने का गलत तरीका था। इसके कुछ साल बाद, हमने सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का सही तरीका दिखाया था।ह्व बातचीत के दौरान चिदंबरम ने पंजाब के मौजूदा हालात पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में खालिस्तान या अलगाववाद का नारा लगभग खत्म हो चुका है और राज्य की असली समस्या उसकी खराब आर्थिक स्थिति है। उन्होंने कहा, पंजाब की मेरी यात्राओं ने मुझे यह विश्वास दिलाया है कि खालिस्तान और अलगाव का राजनीतिक नारा लगभग खत्म हो गया है और असली समस्या यहां की आर्थिक स्थिति है। चिदंबरम के इस बयान ने एक बार फिर देश की राजनीति के सबसे विवादास्पद अध्यायों में से एक ह्यऑपरेशन ब्लू स्टारह्व पर नई बहस छेड़ दी है।

अफगानिस्तान का बड़ा दावा, 7 पाक सैनिकों को बनाया बंधक, सबूत के तौर पर जारी किया फोटो

काबुल/इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव अब खुली जंग में तब्दील होता दिख रहा है। पाकिस्तान द्वारा गुरुवार को किए गए मिसाइल हमलों का बदला लेते हुए अफगान तालिबान सेना ने शनिवार देर रात डूरंड लाइन पर पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर भीषण हमला कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने और 7 को बंधक बनाए जाने की खबर है। अफगानिस्तान ने बंधक सैनिकों की तस्वीरें जारी कर अपने दावे को और पुख्ता किया है।

अफगान मीडिया रिपोर्ट्स और हेलमंद प्रांत के प्रवक्ता मौलवी मोहम्मद कासिम रियाज के अनुसार, यह ऑपरेशन शनिवार देर रात ड्यूरंड लाइन के पास बहरामपुर जिले में शुरू हुआ और करीब तीन घंटे तक चला। अफगान सेना ने न केवल पाकिस्तानी ठिकानों पर भारी गोलाबारी की, बल्कि उनकी तीन सैन्य चौकियों पर भी कब्जा कर लिया। प्रवक्ता ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किए गए हैं। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बीबीसी उर्दू को बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे अफगानिस्तान की तरफ से भारी हथियारों से फायरिंग शुरू हुई। पाकिस्तान-अफगान सीमा पर अंगूर अड्डा, कुर्रम, बाजौर, दिर और चितराल समेत कई इलाकों में झड़पों की खबर है। यह पूरा विवाद गुरुवार को पाकिस्तान द्वारा काबुल और पक्तिका प्रांतों में की गई एयर स्ट्राइक के बाद शुरू हुआ। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी धरती पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ळळढ) के आतंकियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान में हमले करते हैं। इसी एयर स्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने भी अफगान हमलों पर जवाबी कार्रवाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना ने आर्टिलरी और फाइटर जेट से अफगान चौकियों पर हमला किया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने देर रात बयान जारी कर कहा कि उनका ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने दोबारा अफगान सीमा का उल्लंघन किया तो उनकी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव अपने चरम पर है।

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार कार रोड रोलर से टकराई, कांग्रेस नेता के बेटे समेत चार लोगों की मौत

सोनीपत

जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार मध्यरात्रि भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। हादसा सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार सड़क निर्माण कार्य में लगे रोड रोलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। चारों युवक हरियाणा के रोहतक जिले के गांव घिलौड़ के रहने वाले थे। हादसे में जान गंवाने वालों में अंकित, लोकेश, दीपांकर और सोमबीर शामिल हैं। इनमें से एक, सोमबीर, रोहतक ग्रामीण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलवान रंगा का

बेटा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के समय विजिबिलिटी कम थी और हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण रोड रोलर सड़क पर खड़ा था। तेज रफ्तार में आ रही कार सीधी जाकर रोड रोलर से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार से एक शव और तीन घायलों को निकाला। घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी और संभवतः चालक को आगे खड़े रोड रोलर का अंदाजा नहीं लग पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माणाधीन सड़क पर रात के समय उचित संकेत और बैरिकेडिंग नहीं थी, जिससे इस तरह का हादसा हुआ। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारी ने कहा है कि मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

गुरुग्राम में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता : एनकाउंटर के बाद बंबीहा गैंग के दो शार्प शूटर गिरफ्तार

गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सेक्टर-39 और सेक्टर-40 की क्राइम ब्रांच की टीम ने एक मुठभेड़ के बाद कुख्यात बंबीहा गैंग के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। यह एनकाउंटर गुरुग्राम के मैदावास गांव के पास हुआ। पुलिस को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि बंबीहा गैंग के दो बदमाश इलाके में छिपे हुए हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीमें सक्रिय हो गई और इलाके की घेराबंदी कर दी। जैसे ही पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की, उन्होंने सरेंडर करने से इनकार कर दिया और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। खुद को बचाने और जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने भी फायरिंग की, जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में और दूसरे के कंधे पर लगी। घायल बदमाशों को तुरंत कस्टडी में लेकर गुरुग्राम के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए दोनों शार्प शूटर पंजाब के रहने वाले हैं। उनकी पहचान सुमित और सुखनजीत के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से बंबीहा गैंग के साथ जुड़े हुए थे और कई आपराधिक वारदातों में शामिल रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान उन्होंने पहले बदमाशों को सरेंडर करने की चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने इसकी अनदेखी करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने संयम रखते हुए जवाबी फायरिंग की, ताकि जानमाल का नुकसान न हो। गौरतलब है कि बंबीहा गैंग उत्तर भारत में अपनी आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। इस गैंग के कई सदस्य पहले भी पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं और अब गुरुग्राम पुलिस की इस कार्रवाई से गैंग की कमर टूटती नजर आ रही है। पुलिस अब गिरफ्तार शार्प शूटरों से पूछताछ कर रही है ताकि उनके बाकी साथियों और नेटवर्क के बारे में जानकारी मिल सके। यह भी जांच की जा रही है कि ये बदमाश गुरुग्राम में किस वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

राजपुरा के शंभू बॉर्डर से 186 किलो गांजा जब्त, पांच आरोपी गिरफ्तार

राजपुरा

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजपुरा के शंभू बॉर्डर से लगभग 186 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। DRI की टीम ने इस बड़ी खेप के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें रविवार को राजपुरा की अदालत में पेश किया गया, जहां माननीय जज ने सभी पांचों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए हैं।

खुफिया सूचना पर हुई कार्रवाई

उक्क के अधिकारियों के मुताबिक उन्हें खुफिया सूत्रों से गांजे की बड़ी खेप तस्करी किए जाने की पुख्ता जानकारी मिली थी। इसी सूचना के आधार पर DRI की टीम ने शंभू हाइवे पर नाकाबंदी कर दो संदिग्ध गाड़ियों को रोका और उनकी तलाशी ली।

तस्करों ने गांजे को छिपाने के लिए गाड़ियों के अंदर एक गुप्त केबिन जैसा ढांचा बनाया हुआ था, जिसे बेहद तकनीकी तरीके से छिपाया गया था ताकि जांच के दौरान पकड़ में न आ सके।

गाड़ी में था गुप्त केबिन

काफी गहन जांच के बाद, DRIकी टीम ने दोनों गाड़ियों से कुल 186 किलोग्राम गांजा बरामद किया। DRI के मुताबिक यह गांजा तस्करी के लिए लुधियाना ले जाया जा रहा था। गांजा जब्त करने के बाद, उक्क ने 5 तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई नशे के खिलाफ उक्क की एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

दिवाली की शॉपिंग रह गई अधूरी... 10वीं की छात्रा को ट्रक ने कुचला, माता-पिता की बच गई जान

जालंधर

पंजाब के जालंधर में दर्दनाक हादसे में 10वीं की छात्रा की मौत हो गई। वह अपने परिवार के लोगों के साथ दिवाली की शॉपिंग के लिए जा रही थी, लेकिन उसकी शॉपिंग अधूरी रह गई। जालंधर देहात के एरिया में रविवार की सुबह एक बेकाबू ट्रक ने सड़क किनारे खड़े एक परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में 16 साल की किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बगल में गिरने से बच गए। मृतका अपने परिवार के साथ बस का इंतजार कर रही थी, जब यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतका की पहचान रोमनप्रीत कौर (16), निवासी महितपुर, के रूप में हुई है। 10वीं की स्टूडेंट थी। वह अपने परिवार के साथ दिवाली की खरीदारी करने गांव सिंगोवाल बस स्टॉप पर खड़ी थी और महितपुर जाने

के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान ट्रक जो जगरांव की ओर रेत से लदा जा रहा था, वहां से गुजरा। सड़क पर पड़े गहरे गड्ढों से बचने के चक्कर में ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और परिवार को टक्कर मार दी। परिवार के अन्य सदस्य बगल में गिरकर बच गए, लेकिन रोमनप्रीत गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर राम सिंह, निवासी खुखरैण, थाना कोतवाली कपूरथला, शराब के नशे में था। हालांकि, जांच अधिकारी सब-इंस्पेक्टर कश्मीर सिंह ने बताया कि ड्राइवर का मेडिकल करवाया गया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

जालंधर में दो गुटों में खूब चले लात-घूसे, कार सवार के कपड़े फाड़े, बुजुर्ग की पगड़ी उतरी

जालंधर

पंजाब के जालंधर में दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुट के लोगों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। जालंधर के प्रीत नगर इलाके में स्कूटी सवार के साइड न देने को लेकर हंगामा हो गया। मामूली बहस से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर लात-घूसे व थप्पड़ चले। दरअसल गली नंबर 2 में कार सवार व स्कूटी सवार की साइड देने को लेकर मामूली बहस हो गई। इसके बाद स्कूटी सवार को कार चालक ने देखकर चलने को कहा तो दोनों आपस में उलझ गए। इसके बाद कार चालक गाड़ी से उतर कर स्कूटी चालक से तू-तू मैं-मैं करने लगा। मामला बढ़ा तो स्कूटी सवार बुजुर्ग के परिवार के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। उनकी कार सवार के साथ हाथापाई हो

गई। इसी बीच कार चालक की टी शर्ट फट गई तो उसने भी अपने लोग बुला लिए। कार चालक के समर्थकों ने आते ही गाली गलौच करना शुरू कर दिया और फिर दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ लात-घूसे बरसाए। इस दौरान बुजुर्ग की पगड़ी हवा में उछल गई, लेकिन इसकी भी परवाह न करते हुए दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लात व घूसे बरसाते रहे। जानकारी के अनुसार झगड़ा करने वाले दोनों पक्ष लाडोवाली रोड के ही रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों का कहना था कि कार चालक गली से निकल रहा था। इस दौरान कार की साइड दूसरे पक्ष के घर के बाहर खड़ी स्कूटी को लग गई। इसके बाद कार चालक ने स्कूटी मालिक को सॉरी कह दिया। इस बीच स्कूटी मालिक का बेटा बाहर आ गया व कार चालक से बहस हो गई। बहस हाथापाई तक पहुंच गई और कार चालक की टीशर्ट फट गई। इसके बाद उसने भी अपने लोगों को बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों में 10 मिनट तक जमकर बहस हुई और मारपीट भी हुई। लोगों ने बीच बचाव करते हुए दोनों पक्षों को स्थानीय लोगों ने शांत करवाया।

जेल का असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट गिरफ्तार, कैदियों तक पहुंचाता था नशा, चेकिंग के दौरान पकड़ा गया

लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में बेहद चौंकाने वाली घटना हुई है। पुलिस ने लुधियाना जेल से असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को गिरफ्तार किया है। उसे नशे के साथ पकड़ा है। जेल में बंद हवालातियों तक नशीला पदार्थ और फोन कौन पहुंचाता है इस बात को लेकर कई सवाल खड़े होते थे, लेकिन इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब जेल में तैनात सहायक सुपरिंटेंडेंट खुद नशीला पदार्थ सप्लाई करवा रहा था। वह एलईडी में छिपा कर नशीला पदार्थ के साथ साथ दस मोबाइल फोन लेकर जा रहा था। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ने अचानक से चेकिंग की तो आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद जेल प्रशासन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना डिवीजन सात की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने डिप्टी सुपरिंटेंडेंट सिक्योरिटी जगजीत सिंह की शिकायत पर सहायक सुपरिंटेंडेंट सुखविंदर सिंह और दो हवालाती फिरोजदीन और दीपक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सुखविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी दोनों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लेने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी सुखविंदर सिंह से पूछताछ करने में जुटी है। सहायक सुपरिंटेंडेंट सुखविंदर सिंह चंद पैसों के लिए हवालातियों तक नशीला पदार्थ और आपत्तिजनक सामान पहुंचाता था। वह एलईडी में छिपा कर नशीला पदार्थ और दस मोबाइल फोन लेकर अंदर आरोपी फिरोजदीन और दीपक को देने के लिए जा रहा था। उसने मजदूरों से एलईडी उठवाई और सामान अंदर भिजवा दिया और जांच भी नहीं करने दी। गेट पर जांच नहीं हुई और सामान आराम से अंदर चला गया। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट जगजीत सिंह ने अचानक से टीम के साथ चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान एलईडी के पास नशीला पदार्थ पड़ा था। टीम ने आरोपी सहायक सुपरिंटेंडेंट को रंगे हाथों काबू कर लिया। तलाशी में पुलिस को 84 ग्राम भूरे रंग का नशीला पदार्थ, 121 ग्राम काले रंग का नशीला पदार्थ और 10 मोबाइल फोन मिले हैं। जांच में सामने आया कि ये सारा सामान जेल में बंद दो हवालाती फिरोजदीन और दीपक का था। दोनों ने जेल के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह साजिश रची थी। थाना डिवीजन सात पुलिस के एसएचओ इंस्पेक्टर गगनदीप ने बताया कि आरोपी सहायक सुपरिंटेंडेंट से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को भी प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ की जाएगी।

तरनतारन उपचुनाव: 21 अक्तूबर नामांकन की आखिरी तारिख, आप, कांग्रेस, बीजेपी और शिअद उम्मीदवार मैदान में

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि तरनतारन उप-चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार 21 अक्तूबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 22 अक्तूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 24 अक्तूबर को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख है। मतदान 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। सिबिन सी ने बताया कि मतदान का समय सुबह 7 से शाम 6 बजे तक रहेगा। नामांकन पत्र सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़कर किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे के बीच रिटर्निंग ऑफिसर के पास दाखिल किए जा सकते हैं। नामांकन पत्र फॉर्म 2बी में जमा कराने होंगे, जो संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर के पास उपलब्ध हैं। उम्मीदवार का राज्य के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का पंजीकृत मतदाता होना अनिवार्य है। प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद और जांच की तिथि से पहले रिटर्निंग ऑफिसर या चुनाव आयोग द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञा लेनी होगी। 18 अक्तूबर को भी नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। हालांकि 19 अक्तूबर रविवार और 20 अक्तूबर सोमवार को दिवाली के त्योहार के चलते अवकाश के कारण नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। उपचुनाव की घोषणा के बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जो पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने तक प्रभावी रहेगी।

नकली दवाइयां सप्लाई करने के धंधे का भंडाफोड़, आरोपी कानपुर से कर रहा था ऑपरेट; पुलिस रिमांड पर भेजा

लुधियाना

पंजाब समेत देश के कई राज्यों के शहरों में नकली दवाइयां सप्लाई करने का गोरखधंधा उत्तरप्रदेश के कानपुर से चल रहा है। कानपुर के बिरहाना रोड स्थित श्रीलक्ष्मी फार्मा के मालिक राहुल अग्रवाल की बेटी वर्तिका अग्रवाल इस पूरे धंधे को ऑपरेट करती थी। कानपुर से गिरफ्तार कर लुधियाना लाई गई वर्तिका अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पूछताछ में सामने आया कि वह अपने दोस्त मोहम्मद हसन के जरिये कई जगहों पर नकली दवाइयां सप्लाई करती थी। नकली दवाइयां बनाने की फैक्टरी कहीं और नहीं बल्कि उनके मेडिकल स्टोर के पीछे बनी तीन मंजिला बिल्डिंग में ही लगाई गई थी। दवाइयां पैक करने के बाद यहीं स्टीकर आदि लगाए जाते थे। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने इस पूरे धंधे का पर्दाफाश कर वर्तिका को गिरफ्तार किया था। जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि अगस्त में एसटीएफ की टीम ने नकली दवाइयां सप्लाई करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। जब इस मामले की तह तक जाने की कोशिश की गई तो पुलिस हैरान रह गई। इस पूरे धंधे के तार देश के कई शहरों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को मिले सुराग में गुजरात के अहमदाबाद का भी पता चला। जहां पुलिस टीम छापे मारने गई और वहां कई मेडिकल स्टोर पर रेड की। जांच के दौरान कानपुर कनेक्शन सामने आया।